(ख) और (ग) वाष्पीकरण और निष्क्रिय (उत्सर्जन) जैसी हानियों तथा नदी व्यवस्था को बनाये रखने के लिए नदी में कुछ जल को बहने देने के कारण वर्षा जल का पूर्ण उपयोग संभव नहीं है। फिर भी, वर्षा जल की सीमित मात्रा का संचय करने के लिए नदी प्रणालियों पर बड़े, और छोटे बांधों तथा जलाशयों, भंडारणों का निर्माण किया जा सकता है। देश में 1142 बिलियन घन मीटर कुल उपयोज्य जल में से 536 बिलियन घन मीटर उपयोज्य जल को अप्रयुक्त छोड़ते हुए जल (सतही और भू) का वर्तमान (1994) उपयोग लगभग 606 बिलियन घन मीटर अर्थात् 53 प्रतिशत है।

(घ) विभिन्न प्रयोजनों के लिए जल का वर्तमान (1994) उपयोग निम्न प्रकार है:—

प्रयोजन	उपयोग (बिलियन क्यूबिक मीटर में)
सिंचाई	501.00
पीरलू	30.40
ऊर्जा	20.20
उद्योग	20.00
अन्य	34.00
कुल	605.60

अर्थात् -606.

(ङ) पंचवर्षीय योजनाओं में सिंचाई और अन्य प्रयोजनों के लिए वर्षा जल का उपयोग करने हेतु नदियों पर भंडारण बनाने पर जोर दिया गया था, जिसके फलस्वरूप देश की कुल सक्रिय भंडारण क्षमता इस समय लगभग 193.2 बिलियन घन मीटर है। 77 बिलियन मीटर अतिरिक्त सक्रिय भंडारण क्षमता सृजित करने के लिए बांध निर्माण के विभिन्न चरणों में है। इसके अतिरिक्त लगभग 130 बिलियन घन मीटर भंडारण, वृहद और मध्यम योजनाओं के जरिए बढ़ाए जाने की संभावना है, जो विचाराधीन है। राष्ट्रीय जल विकास अभिकरण जल संसाधनों के विकास की राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य योजना पर अध्ययन कर रहा है जिसमें अन्य बातों के साथ नदियों को आपस में जोड़कर अधिशेष जल को कमी वाले बेसिनों में अन्तरित करने तथा संभावित स्थलों पर जलाशयों के निर्माण की परिकल्पना है। अनुमान है कि राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य योजना के अंतर्गत अन्तरबेसिन अन्तरणों के जरिए उपयोग के लिए 220 बिलियन घन मीटर जल उपलब्ध होगा।

Modernisation of Textile Industry

424. SHRI MOHINDAR SINGH KALYAN: Will the Minister of TEXTILES be pleased to state:

(a) whether Government have formu lated any new National Scheme for the modernisation of textile industry in the country.

(b) if so, the details thereof; and

(c) if not, the reasons thereof?

THE MINISTER OF TEXTILES (SHRI R.L. JALAPPA): (a) No, Sir.

(b) and (c) Do not arise.

Declaration of River Waters as National Asset

425. SHRI SANJAY DALMIA: Will the Minister of WATER RESOURCES be pleased to state:

(a) whether Government have any proposal to declare river waters as a National asset so as to regulate their utilisation by the Central Government;

(b) if so, the details thereof; and

(c) the principles evolved for division of the river waters among upper riparian and lower riparian States?

THE MINISTER OF WATER RESOURCES (SHRI JANESHWAR MISHRA): (a) No, Sir.

(b) Does not arise.

(c) Generally principle of "equitable appointment" is followed. Draft national policy guidelines for water allocation amongst States were circulated in the third meeting of National Water Resour-ces Council held on 6-2-1996.

भारत की यात्रा पर आने वाले विदेशी नागरिकों को सुविधाएं दिया जाना

426. श्री अजीत जोगी:
श्री एस॰एम॰ सुरजेवाला:

क्या विदेश मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) गत तीन वर्षों के दौरान भारत में धार्मिक स्थलों की यात्रा करने के लिए और अन्य सुविधाएं प्राप्त

करने के लिए प्रति-वर्ष कितने विदेशी नागरिकों ने भारतीय दूतावासों/उच्चायोगों से सम्पर्क किया और उनमें से कितने लोगों को यह सुविधा प्रदान की गई तथा उनके द्वारा किन-किन स्थानों की यात्रा की गई;

(ख) गत दो वर्षों के दौरान प्रति-वर्ष कितने भारतीय नागरिकों ने विदेशों में स्थित धार्मिक-स्थलों की यात्रा की और इनमें से कितने नागरिक सरकारी अधिकारी और मंत्री थे तथा उन्होंने कौन-कौन से स्थानों की यात्रा की; और

(ग) भारतीय नागरिकों द्वारा इस प्रकार की विदेश यात्राओं के संबंध में सरकार की क्या नीति है?

विदेश मंत्री (श्री इन्द्र कुमार गुजराल): (क) भारत की यात्रा पर आने वाले विदेशी पर्यटक आमतौर पर पर्यटन, व्यवसाय शिक्षा आदि अपना यात्रा उद्देश्य दर्शाते हैं और उनसे यह अपेक्षा नहीं की जाती कि वे इस आशय का उल्लेख विशेष रूप से करें कि वे धार्मिक स्थलों की यात्रा भी करेंगे। अतः धार्मिक स्थलों की यात्रा करने वाले विदेशी पर्यटकों की सही-सही संख्या नहीं निकाली जा सकती। तथापि, उन विदेशी पर्यटकों के बारे में जिन्होंने विशेष रूप से भारत में धार्मिक यात्रा का उद्देश्य दर्शाया है सूचना संलग्न विवरण में दी गई है (नीचे देखिए) उन्होंने जिन स्थलों की यात्रा की उसकी सूचना भी दर्शायी गई है। जहां तक संम्भव हो सका उन सभी को यात्रा का कार्यक्रम तय करने में विधिवत सहायता दी गई।

(ख) और (ग) भारत जैसे, धर्मनिरपेक्ष और लोकतंत्र देश में भारतीय राष्ट्रिक स्वतंत्र रूप से विदेश यात्रा कर सकते हैं और यदि वे धार्मिक स्थलों की यात्रा करना चाहते हैं तो भी उन्हें इसका उल्लेख करने की आवश्यकता नहीं होती है। तथापि, विदेश मंत्रालय हर वर्ष तीन यात्राओं का आयोजन करता है जिनके संबंध में पिछले दो वर्षों के ब्यौरे इस प्रकार हैं:

हज यात्रा: वर्ष 1995 और वर्ष 1996 के दौरान क्रमशः 30505 और 50346 भारतीय सऊदी अरब के लिए हज यात्रा पर गए थे। अन्तर्राष्ट्रीय पासपोर्ट धारक जो अपनी ओर से हज यात्रा पर गए थे, की अनुमानित संख्या दोनों वर्षों के दौरान 20,000-20,000 है। हालांकि हज एक निश्चित तारीख को होता है फिर भी उमरा किसी भी समय किया जा सकता है और अनुमान है कि 1995 और 1996 के दौरान 30,000-30,000 लोग मक्का गए थे।

1995 के दौरान एक 73-सदस्यीय चिकित्सा दल सऊदी अरब गया था तथा 1996 में 200 सदस्यों का चिकित्सा दल गत था। यात्रियों की सहायता के लिए 1995 में 35 सरकारी कर्मचारियों और 1996 में 100 सरकारी कर्मचारियों का प्रशासनिक दल भेजा गया था। राज्य हज समितियों द्वारा प्रायोजित 40 और 48 हज स्वयं सेवकों का दल भी क्रमशः 1995 और 1996 के दौरान हाजियों के साथ गया था।

1995 और 1996 के दौरान हज सद्भावना शिष्टमण्डल में क्रमशः 22 और 14 सदस्य थे। पिछले दो वर्षों के दौरान सरकारी प्रयोजन से मक्का और मदीना की यात्रा पर एक कैबिनेट मंत्री तथा एक राज्य मंत्री गए।

कैलाश-मानसरोवर यात्रा: इस यात्रा में केवल भारतीय ही भाग ले सकते हैं। 1994-95 के दौरान 370 यात्रियों ने यात्रा की थी जिनमें से 14 कर्मचारी (प्रत्येक बैच के लिए एक) सम्पर्क अधिकारी के रूप में गए थे। 1995-96 के दौरान 350 यात्रियों ने यात्रा की थी जिनमें 13 कर्मचारी (प्रत्येक बैच के लिए एक) शामिल थे।

कैलाश-मानसरोवर यात्रा में किसी ने भाग नहीं लिया।

पाकिस्तान में स्थित धार्मिक स्थलों की यात्रा: 1994-95 के दौरान लगभग क्रमशः 5370 और 6020 भारतीय तीर्थ यात्रियों ने पाकिस्तान स्थित विभिन्न गुरूद्वारों और मन्दिरों की यात्रा की। यात्रियों की यात्रा को सुविधाजनक बनाने के उद्देश्य से स्थानीय प्राधिकारियों के साथ सम्पर्क स्थापित करने के लिए इस्लामाबाद स्थित भारतीय हाई कमीशन ने कुछ अधिकारियों को तैनात किया।

विवरण

धार्मिक तीर्थ यात्राओं के लिए भारत की यात्रा पर आने वाले विदेशी पर्यटक

1.	मोरक्को	93—514, 94—323, 95—402 (पर्यटन वीसा)	निजामुद्दीन औलिया नई दिल्ली
2.	ब्रिटजरलैण्ड	93—4, 94—11, 95—5 (दीर्घकालिक वीसा)	आई एस के सी ओ एन, धर्मपुर, श्री अरविन्दो आश्रम आई एस के सी ओ एन, वृन्दावन

धार्मिक तीर्थ यात्राओं के लिए भारत की यात्रा पर आने वाले विदेशी पर्यटक

3	यूनाईटेड यूरुगुए	93—16, 793, 94—19, 254, 954—23, 682	पर्यटक
4.	मलेशिया	93—26, 695, 94—31, 833, 95—41,257	बोध गया, शिरडी, पुट्टपर्थी, तिरुपति
5.	डेनमार्क	अप्रैल / मई 96—15	राधा स्वामी सत्संग, ब्यास
6.	मारीशस	95—102	अजमेर, शिरडी साई बाबा, आश्रम, माउण्ट आबू, कडियां
7.	सिडनी, आस्ट्रेलिया	93—150, 94—195, 95—215	पुट्टपर्थी, मथुरा, वृन्दावन
8.	जापान	94—2	बोध गया, सारनाथ
9.	पनामा	93-15. 94-6, 95-34	सत्य साई बाबा आश्रम
10.	भूटान	93-8, 94-8, 95-3	बोध गया, सारनाथ, सारनाथ, कुशीनगर, राजगीर, नालन्दा
11.	तंजानिया	93-65, 95-75	दिल्ली, कलकत्ता, भुवनेश्वर, पट्टपर्थी, मद्रास में स्थित धार्मिक स्थान
12.	ग्रीस	94-2, 95-9, 96-8	ऋषिकेश, मथुरा, पुट्टपर्थी, बंगलौर
13.	यंगोन, म्यांमार	93—344, 95—756	बोध गया, राजगिरि
14.	पाकिस्तान	93-44426, 94-2162, 95-591	बम्बई डरिटार, ऋषिकेश, कुरुक्षेत्र, दिल्ली, अमृतसर
15.	ट्रिनीडाड और टोबागो	93-40, 94-33, 95-28	पुट्टपर्थी, माउन्टआबू, मैसूर, मथुरा, ऋषिकेश, प्रशांति निलयम, आन्ध्र प्रदेश
16	मंगोलिया	93-36, 94-58, 95-82	धर्मशाला, बोध गया, बाराणसी, सारनाथ, बाहई अकादमी, पंचगढ़ी
17.	फिलीपीन्स	95-68	राजस्थान में माऊन्टआबू वृंदावन में आई एस के सी ओ एन, दिल्ली में हजरत निजामुद्दीन
18.	स्वीडन	93-1	वृंदावन, प० बंगाल में मायापुर
19	दक्षिण अफ्रीका	94-6306, 95-12, 799	साई बाबा आश्रम, तिरुपति, चिश्ती दरगाह, गुजरात में मुस्लिम पूजा स्थल
20.	श्रीलंका	93-1050, 94-3373, 95-6279	बोध गया
21.	ईरान	93-2, 94-3, 95-2	दिल्ली, हैदराबाद, बम्बई
22.	मस्कट, ओमान	93-14, 94-22, 95-28	तिरुचिरापल्ली, मदुरै, वेंकटाचली (तमिलनाडु) अजमेर शरीफ
23.	बंगलादेश	93-750, 94-700, 95-649 93-750, 94-750, 95-675	सिंदाबुर ठर्ड, आगमार्ग ठर्ड
24.	कजाकस्तान	93-5452, 94-9312, 95-6302	वृंदावन, पंचगढ़ी, पुट्टपर्थी
25.	सिंगापुर	93-314, 94-944, 95-1205	बंगलौर, आश्रम, दिल्ली, आन्ध्र प्रदेश
26.	कैनेडी	93-3354, 94-3945, 95-5827	मदुरै, कांचीपुरम, पुट्टपर्थी, महाबलीपुरम, बोध गया सारनाथ, बाराणसी, नालन्दा, कुशीनगर
27.	श्रीलंका	93-6, 94-34, 95-7	बम्बई, कलकत्ता, तिरुपति आश्रम
28.	जर्मनी	93-14, 94-1, 95-5	पुट्टपर्थी, धर्मशाला, मथुरा वृंदावन, शिरडी आश्रम, राधास्वामी, ब्यास, डेरा बाबा, जयमल सिंह ब्यास, दिल्ली, प्रशांति निलयम, आन्ध्र प्रदेश में अनन्तपुर शहर
29.	अर्जेन्टीना	93-1914, 94-2135, 95-2036	साई बाबा आश्रम, बेदान्त आश्रम, कलकत्ता में रामकृष्ण मिशन
30.	बैंकाक	93-374, 94-823, 95-988	कुशी नगर, सारनाथ, अयथया, बोध गया सांची

Pakistan's Naval Power

427. DR. D. VENKATESHWAR RAO; Will the Minister of DEFENCE be pleased to state:

(a) wheter Pak would edge over Indian Navy with P-3C orion aircraft from the USA;

(b) if so, whether Government have examined the repercussions in this re gard:

(c) if so, to what extent Pakistan Navy has been strengthened; and

(d) the steps taken by Indian Government to meet the challenge from Pakis tan Navy?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF DEFENCE (SHRI N.V.N. SOMU): (a) and (d) Induction of P-3C Orion aircraft from USA would increase the fire power of the Pakistan Navy. To neutralise this